राधे ह्वै जावत है छिन में, वह
प्रेम की पाती लै छाती लगावै।
आपु ते आपुन ही उरझै,
सुरझै बिरूझै समुझै समुझावै॥

अथवा

चकित चकत्ता चौंकि उठै बार-बार,
दिल्ली दहसति चित चाहै खरकति है।
बिलखि बदन बिलखात बिजैपुर-पति,
फिरत फिरंगिन की नारी फरकति है।
थर-थर काँपत कुतुब साहि गोलकुंडा,
हहरि हबसि भूप भीर भरकति है।
राजा सिवराज के नगारन की धाक सुनि,
केते पातसाहन की छाती दरकति है॥

5. केशव को 'क्लिष्ट काव्य का प्रेत' कहना कहाँ तक संगत है? सतर्क उत्तर दीजिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्य-कला पर विचार कीजिए।

6. पठित कविताओं के आधार पर घनानंद की विरहानुभूति पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

"वीर-रस भूषण के काव्य में साकार हो उठा है"—पठित कविताओं के आधार पर प्रस्तुत उक्ति की पुष्टि कीजिए।

★★★

2016

HINDI

(Major)

Paper : 2.2

(Ritikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसने रीतिकाल को 'अलंकृत काल' कहा है?

(ख) 'रसिक प्रिया' किसकी रचना है?

(ग) बिहारी की रचना का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) घनानंद रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ङ) महाकवि देव का वास्तविक नाम क्या था?

(च) सेनापति की काव्य-भाषा क्या है?

(छ) किसने मतिराम को 'हिन्दी नवरत्न' में स्थान दिया है?

(ज) भूषण को किसने 'कवि भूषण' की उपाधि प्रदान की थी?

राधे ह्वै जावत है छिन में, वह
प्रेम की पाती लै छाती लगावै।
आपु ते आपुन ही उरझै,
सुरझै बिरूझै समुझै समुझावै॥

अथवा

चकित चकत्ता चौंकि उठै बार-बार,
दिल्ली दहसति चित चाहै खरकति है।
बिलखि बदन बिलखात बिजैपुर-पति,
फिरत फिरंगिन की नारी फरकति है।
थर-थर काँपत कुतुब साहि गोलकुंडा,
हहरि हबसि भूप भीर भरकति है।
राजा सिवराज के नगारन की धाक सुनि,
केते पातसाहन की छाती दरकति है॥

5. केशव को 'क्लिष्ट काव्य का प्रेत' कहना कहाँ तक संगत है? सतर्क उत्तर दीजिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्य-कला पर विचार कीजिए।

6. पठित कविताओं के आधार पर घनानंद की विरहानुभूति पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

"वीर-रस भूषण के काव्य में साकार हो उठा है"—पठित कविताओं के आधार पर प्रस्तुत उक्ति की पुष्टि कीजिए।

★★★

2016

HINDI

(Major)

Paper : 2.2

(Ritikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 **hours**

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसने रीतिकाल को 'अलंकृत काल' कहा है?

(ख) 'रसिक प्रिया' किसकी रचना है?

(ग) बिहारी की रचना का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) घनानंद रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ङ) महाकवि देव का वास्तविक नाम क्या था?

(च) सेनापति की काव्य-भाषा क्या है?

(छ) किसने मतिराम को 'हिन्दी नवरत्न' में स्थान दिया है?

(ज) भूषण को किसने 'कवि भूषण' की उपाधि प्रदान की थी?